65 73

कार्यालय प्रमुख अभियन्ता
उत्तराखण्ड लोक निर्माण विभाग
देहरादून।

(भूगर्भीय आख्या)

आख्या संख्या 38 / 2464 / 12

जनपद पौड़ी गढ़वाल में नौलापुर–खेतू–केदारगली–कोणागाड़–घोड़ियाग–बीरोखाल मोटर मार्ग हेतु प्रस्तावित समरेखन की भूगर्भीय निरीक्षण आख्या।

सत्य प्रति प्रमाणित

सहायक अभियन्ता
निर्माण खण्ड, लो० नि० वि०
बैजरो (गढ़वाल)

मई 2012

जनपद पौड़ी गढ़वाल में नौलापुर–खेतू–केदारगली–कोणागाड़–घोड़ियाण–बीरोखाल मोटर मार्ग हेतु प्रस्तावित समरेखन की भूगर्भीय निरीक्षण आख्या।

1. निर्माण खण्ड, लोक निर्माण विभाग बैजरो के अन्तर्गत 8.00कि0मी0 लम्बाई में नौलापुर–खेतू–केदारगली–कोणागाड–घोड़ियाण–बीरोखाल मोटर मार्ग का निर्माण किया जाना प्रस्तावित है। अधिशासी अभियन्ता निर्माण खण्ड, लोक निर्माण विभाग, बैजरो के अनुरोध पर प्रस्तावित समरेखन का अधोहस्ताक्षरी द्वारा दिनांक 15.05.2012 को सहायक अभियन्ता श्री डी0एस0 रावत के साथ निरीक्षण किया गया।

2. जिला योजना के अन्तर्गत नौलापुर–खेतू–केदारगली–कोणागाड़–घोड़ियाण–बीरोखाल मोटर मार्ग का 10.00 कि0मी0 लम्बाई में निर्माण किया जाना स्वीकृत है। अवगत कराया गया कि खण्ड द्वारा मार्ग निर्माण हेतु दो समरेखनो पर विचार किया गया है। समरेखन संख्या दो के अनुसार मार्ग की लम्बाई एवं मार्ग पर एच0पी0 बैण्ड्स बढ़ने के कारण खण्ड द्वारा समरेखन संख्या एक के अनुसार मार्ग के निर्माण का प्रस्ताव है। समरेखन संख्या एक के अनुसार मार्ग की वास्तविक लम्बाई 8.00 कि0मी0 अवगत कराई गई है। प्रस्तावित समरेखन देवोली–बन्दरकोट–धबड़िया–नौलापुर–केदारगली पूर्व निर्मित मोटर मार्ग के अंतिम बिन्दु (ग्राम नौलापुर) से आरम्भ होता है। इस मार्ग से ग्राम नौलापुर, खेतू, केदारगली, चितोलूखोला एवं कोणागाड लाभान्वित होंगे। निर्धारित लम्बाई पूर्ण कर समरेखन रा0 राजमार्ग संख्या 121 के कि0मी0 129 में मिल कर समाप्त होता है। समरेखन में दो हेयर पिन बैण्ड्स है, जो कि0मी0 6.00 एवं 7.00 में नियोजित किये गये है। समरेखन क्षेत्र में जौनसार ग्रुप की क्वार्टजाईट व फिलाईट चट्टान है, तथा स्थान–स्थान पर इनके ऊपर मिट्टी/डेब्री का ओवरबर्डन है। अवगत कराया गया कि समरेखन की अधिकांश लम्बाई नाप भूमि से होकर गुजरती है। नाप भूमि में पहाडी ढलान सामान्यतः 20° से 35° तक तथा चट्टानी भाग में लगभग 60° तक प्रतीत होता हैं।

3. समरेखन क्षेत्र की भूगर्भीय स्थिति, भू–आकृति एवं उक्त प्रस्तर में वर्णित तथ्यों को ध्यान में रखते हुये निम्न सुझाव दिये जा रहे है, जिन्हें प्रस्तावित मार्ग निर्माण में सम्मिलित किया जाना आवश्यक है।

(क) यथासम्भव मार्ग की पूरी चौडाई कटान करके प्राप्त की जाये। यह भविष्य में मार्ग की स्थिरता की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। जहां रिटेनिंग दीवार का निर्माण अपरिहार्य हो वहां इनका निर्माण फर्म स्ट्रेटा पर समुचित परिकल्पना के आधार पर कराया जायें।

(ख) मार्ग के आरम्भ में टेक आफ प्वाइन्ट कम ढलान युक्त स्थिर भूमि में सावधानीपूर्वक बनाया जाये।

(ग) यह सुनिश्चित किया जाये कि समरेखन में प्रस्तावित हेयर पिन बैण्ड कम ढलान युक्त स्थिर भूमि में बनाये जाये।

(घ) समरेखन जहॉं रा0 राजमार्ग के ऊपर है, उस भाग में मार्ग कटान में सावधानी आवश्यक है, जिससे नीचे स्थित मार्ग क्षतिग्रस्त न हो एवं यातायात सुरक्षित रहें।

छाया प्रति सत्यापित

सहायक अभियन्ता
निर्माण खण्ड, लो0 नि0 वि0
बैजरो (गढ़वाल)

(ङ) समरेखन के समीप स्थित घरों से सुरक्षित दूरी रखते हुये बिना विस्फोटकों का प्रयोग किये मार्ग कटान किया जाये।

(च) समरेखन में अपेक्षाकृत तीव्र पहाड़ी ढलान वाले भाग में सावधानीपूर्वक मार्ग कटान किया जाये जिससे कोई अस्थिरता उत्पन्न न हो।

(छ) जहाँ मार्ग कटान की ऊंचाई अधिक हो और स्ट्रेटा कमजोर हो, आवश्यक होने पर उस भाग में मार्ग कटान के साथ–साथ समुचित ब्रेस्ट वाल का निर्माण कराया जाये।

(ज) वर्षा के पानी की समुचित निकासी हेतु रोडसाईड ड्रेन एवं स्कपर का प्रावधान किया जाये। यह भी सुनिश्चित किया जाये कि स्कपर के पानी से भूक्षरण न हो।

(झ) पर्वतीय क्षेत्र में मार्ग निर्माण के लिये निर्धारित सिविल अभियांत्रिकी के अन्य मानको एवं विशिष्टियों का भी पालन किया जाये।

4. मार्ग के नव निर्माण विषयक स्थायित्व सम्बंधी बिन्दु:–

(1) मार्ग के कटान के पश्चात हिल साईड मे जिस स्थान पर over burden material होगा तथा पहाडी ढलान slope forming material के angle of repose से अधिक होगा उस भाग में वर्षाकाल में पहाडी ढलान के अस्थिर होने की सम्भावना हो सकती है।

(2) तीव्र चट्टानी ढलान में blasting किये जाने पर चट्टान के ज्वाइन्टस सक्रिय हो सकते है तथा नई दरारें भी उत्पन्न हो सकती है, जिनके कारण विपरीत परिस्थितियो में अस्थिरता उत्पन्न हो सकती है। अतः जहां आवश्यक हो मार्ग कटान में नियंत्रित ब्लास्टिंग की जाये।

5. नौलापुर–खेतू–केदारगली–कोणागाड़–घोड़ियाण–बीरोखाल मोटर मार्ग हेतु 8.00 कि0मी0 लम्बाई का प्रस्तावित समरेखन वर्तमान परिस्थितियों में उपरोक्त सुझावों के साथ मार्ग निर्माण के लिये उपयुक्त प्रतीत होता है। इस हेतु प्रस्तावित भूमि भूगर्भीय दृष्टि से उपयुक्त है।

टिप्पणी:–

(1) भूमि हस्तांतरण की दृष्टि से समरेखन क्षेत्र में किये गये निरीक्षण एवं खण्ड द्वारा उपलब्ध कराये गये सर्वेक्षण विवरण के आधार पर यह एक जनरलाइज्ड आख्या है। मार्ग कटान के पश्चात् स्थिति में परिवर्तन भी सम्भव है। समरेखन / मार्ग पर किसी विशिष्ट बिन्दु पर यदि सुझाव की आवश्यकता हो तो उसे अलग से अवगत कराया जाए।

(2) मुख्य अभियन्ता, स्तर–1, लो0नि0वि0, देहरादून द्वारा समस्त अधीक्षण अभियन्ताओं को मार्गों के निर्माण एवं समरेखन निर्धारण के सम्बन्ध में प्रेषित पत्रांक 7272 / 8(1)यता0–उ0 / 05 दि0 16.11.2005 में दिये गये निर्देशों का भी अनुपालन किया जा सकता है।

Forwarded by
H. Kumar 26.5.12
वरिष्ठ भूवैज्ञानिक
कार्यालय मुख्य अभि0 स्तर–1
लो0नि0वि0 उत्तराखण्ड
देहरादून

सहायक अभि...
निर्माण खण्ड, लो0...
...